HD-03

December - Examination 2018

B.A. Pt. II Examination

हिंदी गद्य भाग –II (नाटक एवम् अन्य गद्य विधाएँ)

Paper - HD-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **10 × 2 = 20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) 'नाट्यशास्त्र' ग्रन्थ के रचयिता कौन हैं?

(ii) एकांकी किसे कहते हैं?

(iii) 'स्मृति की रेखाएँ' कृति गद्य की कौनसी विधा में सम्मिलित है? इस कृति के रचयिता कौन हैं?

(iv) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में मंदाकिनी का चरित्र कैसा है?

(v) 'महाभारत की एक साँझ' कृति के रचनाकार का नाम बताइए।

(vi) निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए।

अ) रंगमंच

ब) सम्पृक्त

(vii) 'अमृतराय' ने कौनसी जीवनी लिखी है जो आपकी पाठ्यपुस्तक में संकलित है?

(viii) 'निबन्ध' के कोई दो प्रकार लिखिए।

(ix) 'घीसा' ने जलेबी का बँटवारा कैसे किया?

(x) 'अदम्य जीवन' रचना के रचनाकार का नामोल्लेख कीजिए।

खण्ड – ब $4 \times 10 = 40$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) ललित निबन्ध की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3) ''महाभारत की साँझ' की कथावस्तु घटनापरक न होकर, विचारपरक है।'' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

4) 'नाखून क्यो बढ़ते हैं'' निबन्ध का सार प्रस्तुत कीजिए।

5) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''इससे स्पष्ट है कि तुलसी की भक्ति सभी जातियों और वर्णों के लोगों को मिलाने वाली थी और जो समझते हैं कि तुलसीदास ने इस्लाम से हिंदू धर्म की रक्षा की है वे उस पंक्ति पर विचार करें जिसमें महाकवि ने माँग कर खाने और मस्जिद मे सोने की बात की है। वर्ण व्यवस्था के रक्षकों ने ही भारतीय जनता के हृदय–सम्राट तुलसीदास की यह दशा की थी।''

6) 'भोलाराम के जीव' नामक कृति में भोलाराम का चरित्र किस प्रकार उद्‌घाटित हुआ है? समझाइए।

7) ''क्या भूलूँ क्या याद करूँ'' नामक आत्मकथा में समाज की किन–किन रूढ मान्यताओं का उल्लेख हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

8) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–
''सूर्य का गोला पानी की सतह को छू गया। पानी पर दूर तक सोना ही सोना ढल आया। पर वह रंग इतनी जल्दी जल्दी बदल रहा था कि किसी भी क्षण के लिए उसे एक नाम दे सकना असम्भव था। सूर्य का गोला जैसे एक बेबसी में पानी के लावे में डूबता जा रहा था। धीरे–धीरे वह पूरा डूब गया और कुछ क्षण पहले जहाँ सोना बह रहा था, वहाँ अब लहू बहता नजर आने लगा। कुछ क्षण बीतने पर वह लहू भी धीरे धीरे बैंगनी से काला पड़ गया।''

9) महादेवी कृत 'घीसा' कहानी के विषय–वस्तु का वर्णन कीजिए।

खण्ड – स $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) नाटक का अर्थ एवं स्वरूप बताते हुए नाटक के विविध तत्वों का वर्णन कीजिए।

11) नाटकीय तत्वों के आधार पर 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का विश्लेषण कीजिए।

12) 'भोलाराम का जीव' व्यंग्य रचना का भावपक्ष एवं संरचना – शिल्प का विवेचन कीजिए।

13) टिप्पणी लिखिए।

(i) आलोचना का अर्थ एवं स्वरूप

(ii) संस्मरण और आत्मकथा में अन्तर

(iii) जयशंकर प्रसाद का नाट्य–कृतित्व

(iv) व्यंग्य विधा का अर्थ एवं स्वरूप